गाइये गणपति जगवंदन

समस्त सिद्धियों के आगार, गणों के पति सुखन समस्ता अर्थात नायक, गायक, मुदमंगलदाता, शुभकारक सुंदर मोदकप्रिय शंकरजी के सुत गणेशजी की महिमा का वर्णन कौन कर सकता है? प्रथम पूजियत गणपति, गणराऊ सभी देवताओं में सर्वप्रथम जिनकी पूजा की जाती है। जिनके सुमिरन मात्र से सिद्धियां सुलभ हो जाती है तथा जो विद्या के अथाह सागर है, उनका स्वरूप अनेक गुणों, भावों तथा तत्वों का प्रतीक है।

गणेशजी के रूपाकार में 'ॐ' की कल्पना की गयी है। गणेशजी का मस्तक हाथी का है। उनके मस्तक का वृत्त ॐ का ऊपरी भाग है। गणेशजी का उदर विशाल और लंबा है, इसीलिए उन्हें लंबोदर कहा जाता है। उनके उदर का विस्तार ॐ का स्वरूप गणेशजी की सूड 'नाद' का और मोदक %बिंदु% का प्रतीक है। एक व्याख्या के अनुसार मोदक असंख्य जीवों का प्रतीक है।ये जीव उनके आकाशरूप विशाल उदर में निवास करते है । कुछ लोगों का मानना है कि सूर्य, अग्नि और चंद्रमा गणेशजी के तीन नेत्र हैं।

गणेश के विविध रूप

गणेशजी को एकदंत अर्थात एक दांतवाल कहा जाता है। व्यास ने अपना विशाल महाकाव्य %महाभारत% लिखने के लिए गणेशजा से अनुरोध किया । व्यास बोलते जाते थे और गणेशजी अपना दांत तोड़कर उससे लिख जाते थे।उनका वह दांत ही उनकी लेखनी थी । गणेशजी

के चार हाथ हैं।। ऊपर के हाथों में पाश और अंकुश है। एक हाथ में दांत ओर माला तथा दूसरे हाथ मे मोदक।

गणेश जी की अधिकतर मूर्तिया मूषकारुड ही है? ऐसे भी चित्र मूर्तिया है उन्हें मयूर, रथ, सिंह, सिंहासन पर आसीन तथा विराट अवतार के रूप से चित्रित किया गया है । यों तो एक मुखवाले ही गणेशजी के चित्र तथा मूर्तियां अधिक दिखलायी पड़ती हैं, किंतु कलाकारों ने त्रिमुखी, चतुर्मुखी तथा पंचमुखी गणेश को भी चित्रित एवं रुपायित किया है।

गणेशजी की अधिकतर प्रतिमाएं बैठी हुई अवस्था में ही हैं, किंतु कहीं-कहीं खड़ी तथ नृत्यशील मुद्रा में भी इन्हें दिखाया गया है।

देवी-देवताओं का पशु-पक्षियों

और पेड़ पौधों से घनिष्ट सम्बंध है। दुर्गा माता का वाहन सिंह, सरस्वतीजी का वाहन हंस, लक्ष्मीजी की सवारी उल्लू है। शंकर भगवान का वाहन बैल, कार्तिकेय का वाहन मयूर और गणेश जी का वाहन लघुकाय, अल्पप्राण चूहा है।

समय और गति का प्रतीक - चूहा.

भारी-भरकम शरीरवाले गणेशजी के वाहन चूहे के विषय में तरह-तरह की कथाएं और मान्यताएं प्रचलित है?अधिकतर एक मान्यता यह है कि को मूषक सूक्ष्म काल का प्रतीक है, जो समय को प्रतिक्षण कुतरता रहता है।दूसरी मान्यता यह है कि चूहा अन्न तथा मूल्यवान वस्तुओं को थ कुतरता रहता है । अतः विघ्न तथा क्षय की प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखने के लिए गणेशजी के वाहन के रूप में चूहा दिया गया है,क्योंकि चूहा -हानि और क्षय का प्रतीक है।

चूहे को तीक्ष्ण बुद्धि का प्रतीक माना जाता है,और गणपति बुद्धि के देवता हैं।चूहा गतिशील जीवन है।वह इतनी तेजी से भागदौड़ करता है कि उसे पकड़ पाना दुष्कर है। संसार के पचास प्रतिशत देशों में किसी-न- किसी रूप में गणपति की आराधना की जाती है। ईसा से 230 वर्ष पूर्व मिस्र में गणपति के सैकड़ों मंदिर थे,उस समय इनको कृषि रक्षक के नाम से पूजा जाता था। किसान अपने खेत या बगीचे के द्वार पर उनकी प्रतिमा विशेष रूप से स्थापित करते थे, ताकि हर मौसम में फसलों की पैदावार प्रचुर मात्रा में हो। प्राचीन मिस्र के कुछ शिलालेखों के अनुसार गणपति बुद्धि और धन के महादेवता कहलाते थे।

गणेश विश्वव्यापी है। पूरे भारत मे धूमधाम से गणेशोत्सव मनाया जाता है?तिब्बत,जापान, बर्मा,यूनान में भी गणेश जी मन्दिरो,हिन्दू देवालयों,और बौद्ध विहारों में गणेश जी की मूर्तियां मिलती है गणपति की कई दुर्लभ प्रतिमाएं भानपुरा (म. प्र.), मथुरा, खनऊ, कोटा, जयपुर में संग्रहीत हैं। और कांगडा शैली में भी गणेश दर्शन के विभ रूप है।

गणपति बप्पा की जय हो।

- इन्दु सिन्हा 'इन्दु', रतलाम
मो. 9827589612

संस्कार

मैं बस का सफर कर रही थी। कुछ ही समय बाद एक नौजवान मेरी बगल की सीट पर बैठा। दोपहर का समय होने से मुझे नींद आ रही थी। मैं अपनी सीट पर झपकी लेते सफर कर रही थी। इसी बीच एक फोन आया मेरी तंद्रा टूटी, बातचीत की और फिर मोबाइल चलाने लग गई थी। तभी पास की सीट पर बैठे

नौजवान बालक ने कहा अरे! आपका दुपट्टा ऊपर कीजिए। मैंने देखा-- मेरा दुपट्टा बस की जमीन में गिर रहा था। मैंने तत्काल उसको ऊपर किया। मुझे ध्यान ही नहीं रहा कब वह लटकते हुए गिर रहा था लेकिन जैसे ही उसने बताया तो उस बेटे स्वरूप नौजवान के प्रति मेरा नजरिया जिसने सोचने को मजबूर किया कि जरूर ही बच्चा अच्छे घर का संस्कारी होगा। तभी उसने मेरे गिरते दुपट्टे को ऊपर उठाने की बात कही अन्यथा उसे क्या मतलब। शुद्ध मन और संस्कारी बच्चों की पहचान है कि वह किस तरह अनजान व्यक्तियों का सम्मान करते हैं ।थोड़ी देर बाद मैंने उससे पूछा क्या निमाड़ के हो क्योंकि जब वह फोन पर बातचीत कर रहा था तो मुझे ऐसा लग रहा था कि शायद वह निमाड़ क्षेत्र का होगा। तो वह बोला निमाड़ का तो नहीं हूं पर पला बड़ा और शिक्षा वही अपने नाना मामा के घर रह कर प्राप्त की है वैसे में गुजरात का हूं। मेरे माता-पिता गुजरात में रहते हैं। अभी मैं राखी करने गया था और साथ ही कंपनियों में साक्षात्कार भी देने गया था। अब माता-पिता के साथ रहना चाहता हूं। वैसे मैं इंदौर में नौकरी करता हूं। इस प्रकार हमारी बातचीत का सिलसिला चालू हुआ हम दोनों बातों ही बातों में शिक्षा, व्यवसाय, रहन-सहन, बोली, जाती-धर्म आदि पर चर्चा की उसकी बातों से एहसास हुआ कि नींव में पड़े बच्चों में संस्कार जब इमारत बन देखते हैं तो उसकी आभा मंडल सब कुछ बता देती है नहीं तो इतने छोटे से सफर में इतनी सारी बातों पर चर्चा अनजान व्यक्ति से करना ना उचित होती है और ना ही संभव होता है। लेकिन उस बेटे में इतने अच्छे गुण थे इतना प्रभावित किया हम सफर भर बातें करते रहे। जब मेरा गंतव्य आने वाला था तो बेटे ने कहा कि आप उतर जाएगा मैं आपका सामान दे दूंगा मैंने उसे कहा बेटा ऐसा कोई सामान नहीं है मैं स्वयं ही अपना बैग ले लूंगी। यह उसकी सरल हृदयता थी जो मुझे देखने को मिली। जब हम ऐसे बच्चों के समक्ष होते हैं तो हमारी मिथ्या गलत हो जाती है कि आजकल के बच्चों में संस्कार देखने को नहीं मिलते। आज भी विस्मय खेड़े जैसे युवा नौजवान है जो भारतीय संस्कृति परंपरा के अनुरूप समर्पित, निष्ठावान, आज्ञाकारी चरित्रवान है।

- प्रतिभा पंचोली पंख, आलिराजपुर

रक्तदान देशसेवा का श्रेष्ठ और प्रासंगिक माध्यम

व्याख्यान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

झाबुआ। स्व. दिलीपसिंह भूरिया शासकीय आदर्श स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 22 अगस्त, शुक्रवार को संस्था प्राचार्य प्रो. पीके उछावर के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना, भारतीय ज्ञान परंपरा और स्वामी विवेकानंद कॉरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्राचार्य द्वारा अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में समस्त स्टॉफएवं कर्मचारियों को रक्तदान हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हम अपने छोटे-छोटे दायित्व निभाकर भी देश सेवा कर सकते है, रक्तदान इनमें से एक है। सर्वप्रथम झाबुआ में रक्तदान की आवश्यकता और प्रासंगिकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन

किया गया, जिसमें ब्रह्मकुमारी ज्योति दीदी द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित कर स्थानीय ब्रह्मकुमारी आश्रम द्वारा आयोजित विशाल रक्तदान शिविर की जानकारी देकर रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया। एनएसएस अधिकारी डॉ. भूरसिंह निगवाल ने इस पुनीत कार्य में अधिक से अधिक भाग लेने के लिए एनएसएस के स्वयं सेवकों का प्रेरित किया।

लघु फिल्में दिखाई गई- स्वामी विवेकानंद कॉरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. पूजा बघेल ने मातृभूमि को स्वर्ग बनाने का आव्हान करते हुए विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, भारत के मिसाइल मेन महापुरुषों के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री लघु फिल्में दिखाई। डॉ. वंदना पारकर ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं आभार प्रो. प्रगति मिमरोट ने माना। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. दिलीपकुमार परसेडिया सहित समस्त स्टॉफएवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

माखन की खुशबू और बारिश की फुहार के बीच नन्हे-मुन्हें बच्चों संग मनाया जन्माष्टमी पर्व

झाबुआ। अंकुरम इंटरनेशनल स्कूल में 22 अगस्त, शुक्रवार को प्री-प्राइमरी के नन्हे-मुन्हें छात्रों ने बड़े हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ जन्माष्टमी का पर्व मनाया। इस अवसर पर बच्चें राधा-कृष्ण की मनमोहक वेशभूषा में सजे हुए थे, जिसने पूरे वातावरण को भक्ति और उल्लास से भर दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के संस्थापक एवं प्रबंधक डॉ. लोकेश दवे, डायरेक्टर डॉ. चारुलता दवे तथा प्राचार्य डॉ. रितेश लिमये द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना एवं आरती से की गई। पश्चात् शिक्षिकाओं सुश्री पलक वैरागी, श्रीमती प्रियंका तथा सुश्री डिंपल द्वारा क्रमशः डॉ. लोकेश दवे, डॉ. चारुलता दवे एवं प्राचार्य डॉ.

लिमये का स्वागत किया गया। प्री-नर्सरी एवं नर्सरी के छात्रों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें नन्हे-मुन्हें बच्चों ने राधा-कृष्ण की वेशभूषा धारण कर अपनी-अपनी प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया।

प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया- एलकेजी के बच्चों ने कृष्ण भक्ति से ओतप्रोत भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी, वहीं यूकेजी के छात्रों ने 'श्लोक सुनाओ' प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। संस्थापक डॉ. लोकेश दवे, डायरेक्टर डॉ. चारुलता दवे एवं प्राचार्य डॉ. रितेश लिमये ने सभी प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए बच्चों को अपनी प्रतिभा निखारते हुए जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। संपूर्ण आयोजन को सफल बनाने में सभी शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती अर्चिता राठौर ने किया।

अहमदाबाद में अबोध छात्र की हत्या से खंडवा के सिंधी समाज ने आक्रोश, दुख व्यक्त किया

गुजरात के मुख्यमंत्री से उचित कार्यवाही की मांग, पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और सुरक्षा की मांग

खंडवा। अहमदाबाद में 19 अगस्त को 15 वर्षीय सिंधी स्कूली छात्र नयन संतानों की उसके जूनियर ने चाकू से गोदकर निर्मम हत्या कर दी।इस घटना से पूरे देश का सिंधी समाज बेहद आहत है।खंडवा के सिंधी समाज ने भी उक्त घटना पर आक्रोश व्यक्त किया है,साथ ही साथ पीड़ित परिवार को मुआवजा देने, सुरक्षा प्रदान करने की मांग के साथ-साथ कहा है कि इस प्रकार की घटनाओं की कभी भी भविष्य में पुनरावृत्ति ना हो,इसके प्रयास किए जाएं।

सिंधी समाज के प्रवक्ता कमल नागपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत रात्रि सिंधी कॉलोनी में श्री झूलेलाल मंदिर के पास समाज के कई वरिष्ठ जन उपस्थित हुए तथा इस संदर्भ में अपना दुख और सहानुभूति व्यक्त की।सिंधी समाज के प्रभारी अध्यक्ष मोहन दीवान ने कहा कि सिंधी छात्र की निर्मम हत्या बेहद अफसोस जनक है स्थानीय सिंधी समाज उनके परिवार के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करता है साथ ही साथ प्रधानमंत्री और गुजरात के मुख्यमंत्री से इस घटना पर अपना विशेष फोकस करने की मांग की है।हिंदू हृदय सम्राट अशोक पालीवाल ने कहा कि स्कूल में विद्यार्थी नयन की निर्मम हत्या अनेक प्रश्नों को जन्म देती है।वर्तमान स्थिति में बच्चों की पढ़ाई के साथ-साथ उनकी सुरक्षा और उन्हें शारीरिक बल देने की आवश्यकता है।सकल हिंदू समाज इस हत्या की भर्त्सना करता है।समाजसेवी बबलू राजानी ने कहा कि स्कूलों में बच्चों के स्कूल बैग चेक करने का अब समय आ गया है।सभी विद्यार्थियों को आत्मरक्षा के लिए भी प्रेरित किया जाना चाहिए। महेश कुमार चंदवानी ने कहा कि चालीह साहब के पर्व के दौरान इस दुखद घटना का घटित होना बेहद दुखद है।खंडवा का सिंधी समाज उनके पूरे परिवार के साथ है।समाज के प्रवक्ता कमल नागपाल ने कहा कि अहमदाबाद के अबोध बालक नयन की निर्मम हत्या से पूरे देश के साथ-साथ खंडवा का सिंधी समाज भी बेहद स्तब्ध और दुखी है साथ ही साथ आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग करता है।मनीष कुमार मलानी ने कहा कि यह घटना केवल सिन्धी समाज ही नहीं सकल हिन्दू समाज के लिए गहरी चिंता का विषय है कि कक्षा आठवीं में पढ़ने वाले छात्रों के अंदर इस तरह की नफरती हिंसक विचारधारा कैसे पनप रही है।इस घटना के पीछे सुनियोजित ढंग से किन्हीं अन्य लोगों का हाथ है , इस विषय की गहन जांच कर हथियार उपलब्ध करवाने वाले लोगों भी घटना में सम्मिलित सभी पक्षों पर तत्काल कड़ी से कड़ी कार्यवाही हो साथ ही लापरवाह स्कूल प्रशासन के खिलाफ भी सख्त कार्यवाही करते हुए मान्यता रद्द की जाए। इस श्रद्धांजलि सभा में सिंधी समाज के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी,कार्यकारिणी सदस्य और सहयोगी सदस्यों के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े पदाधिकारी और गणमान्य जन भी उपस्थित हुए और अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।

मेरा युवा भारत झाबुआ द्वारा कन्या महाविद्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

अतिथि एवं वक्ताओं ने भारत सरकार की योजनाओं से युवाओं को करवाया अवगत

झाबुआ। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत 'मेरा युवा भारत झाबुआ' (भूतपूर्व नेहरू युवा केंद्र) के तत्वावधान में भारत सरकार द्वारा संचालित प्रमुख योजनाओं पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शासकीय कन्या महाविद्यालय झाबुआ में एनएसएस के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय कन्या महाविद्यालय झाबुआ की प्राचार्य डॉ. अंजना सोलंकी, वक्ता के रूप में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से प्रशिक्षण अधिकारी विजय ढाकिया, जिला पंचायत के वरिष्ठ लेखाधिकारी मनोज सोलंकी, शासकीय कन्या महाविद्यालय से एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी एवं प्रोफेसर डॉ. प्रीति त्रिपाठी तथा मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य कार्यालय से आयुष्मान सहायक गौरव वर्मा तथा श्रीमती विद्या विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कार्यशाला का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वतीजी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर हुआ। पश्चात् अतिथियों का स्वागत किया गया। जिला युवा अधिकारी प्रीति ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ युवाओं तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में युवाओं से वार्तालाप करते हुए विजय ढाकिया ने विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया। जिसमें पीएम इंटर्नशिप स्कीम, जिसका उद्देश्य शीर्ष 500 कंपनियो में युवाओं को इंटर्नशिप प्रदान करना है। इसके बाद विश्वकर्मा योजना के बारे में बताते हुए आपने कहा कि इस योजना अंतर्गत पारंपरिक कारीगरों और हस्तशिल्पियों को प्रशिक्षण, 500 रू. दैनिक भत्ता और 15000 रुपए की टूलकिट प्रदान की जाती है। गौरव वर्मा ने आयुष्मान भारत योजना के बारे में बताया कि यह भारत सरकार की एक स्वास्थ्य योजना है, जिसे वर्ष 2018 में आरंभ किया गया है। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लोगों, बीपीएल धारक को स्वास्थ्य बीमा मुहैया कराना है। इसके अंतर्गत आने वाले प्रत्येक परिवार को 5 लाख तक का केश रहित स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जाएगा।

सद्भावना दिवस के बारे में युवाओं से चर्चा की- मनोज सोलंकी ने युवाओं को जागरुक करते हुए कहा की योजनाएं तो बहुत लागू होती है, किंतु योजना का उचित क्रियान्वयन होना भी जरूरी है। आपने युवाओं को बताया कि वह कैसे सूचना के अधिकार के तहत किसी भी विभाग से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। शासकीय कन्या महाविद्यालय प्रोफेसर एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर प्रीति त्रिपाठी जी ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के साथ प्रतिवर्ष 20 अगस्त को मनाए जाने वाले सद्भावना दिवस के बारे में युवाओं से चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में जिला युवा अधिकारी ने अतिथियों एवं वक्ताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मेरा युवा भारत केंद्र झाबुआ से लेखा एवं कार्यक्रम सहायक रिमी यादव, स्वयंसेविका सीता भूरिया एवं रानी परमार आदि उपस्थित रहीं।

मोबाइल के कीड़े

सिर पर लाल टोपी
मुँह में है पान
भूल गये
परमार्थ व दान
पर
मुह लगा था साथ
मोबाइल के कीड़े.
नन्हे नन्हें शिशु
युवा से वृद्ध
तक
ऐसे चिपके
जैसे से मीठी चीज
मोबाइल के कीड़े,
अपसंस्कृति व फैशन
में मर्यादा, पहनावा
में
हाथ- हाथ में
प्रेम दिखावे
मोबाइल के कीड़े
मिलन का
दायरा हुआ कम
संवाद का सरल-सहज
पक्का साधन सरस
बना मोबाइल के कीड़े
न जाने हम
दूसरों की पीड़ा
मुँह में रखा
पान का बीड़ा
लगता यूँ
है मोबाइल का कीड़ा
हंसते - गाते
खाते-पीते
सब जगह रंग जमाए
उठाया है बीड़ा
कहता - मेरे बिन काम अधूरा
हूं मोबाइल का कीड़ा
व्यवहारों की दुनिया
में हाल-चाल पूछे
दूर कर दे
प्रेम से पीड़ा
श्मशान में भी
हाथ में मोबाइल का कीड़ा

वीरों का बलिदान

राष्ट्र की अस्मिता हेतु, वीरों, ने दिया बलिदान
पुण्य धरा पर अवतरित जाग उठा इन्सान
लहराता तिरंगा प्रेम एकता व विश्वास
प्रजातंत्र में पूरी हो, जन-जन की आस
चहुँओर गूँजे शान से प्रगति का शंखनाद
हो कलह, कटुता की लहर में संवाद
आजादी के महापर्व पर बजेंगे देशभक्तिगीत
प्रभात की वेला में नन्हें हाथों में सजे एकता की प्रीत
देशप्रेम का टॉसला बुलन्द करें भारत-भारती
श्रम की बूँदों से हर कॉम करें सदा वंदना आरती
आजादी के महापर्व की देते हर लेखक को बधाई
संकल्पित हो मनोयोग से तन मन धन से हो भलाई

- प्रदीप शर्मा, महेश्वर (खरगोन)